फार्मेसी काउंसिल में 3 हजार से अधिक छात्रों का अटका पंजीयन

लापरवाही से बढ़ी परेशानी

- निजी यूनिवर्सिटी ने नहीं किया छात्रों का डेटा अपलोड
- 3 हजार से अधिक छात्र मुसीबत में फंसे

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 17 अक्टूबर. प्रदेश में कुछ समय पहले ही फार्मेसी काउंसिल ने निजी यूनिवर्सिटीज को अपने छात्रों का डेटा डिजिलॉकर पर अपडेट करने को कहा था, जिससे रजिस्ट्रेशन सहित अन्य प्रक्रियाओं को आसानी से पारदर्शिता के साथ पूरा किया जा सके.

फार्मेसी काउंसिल में ऑनलाइन पंजीयन शुरू हुए करीब एक महीने से अधिक हो गए हैं, लेकिन प्रदेश की ज्यादातर निजी यूनिवर्सिटी ने अब तक अपने छात्रों का डेटा डिजीलॉकर पर अपलोड नहीं किया है, जिसके कारण 3 हजार से अधिक छात्रों के लिए पंजीयन प्रणाली मुसीबत बन गई है और छात्रों का आवेदन अधूरा रह गया है. बता दे मध्यप्रदेश में कुल 32 निजी विश्वविद्यालय हैं, लेकिन केवल 8 विश्वविद्यालय ही इसमें से ऐसे हैं, जिन्होंने छात्रों की सूची काउंसिल को भेजी है.

फार्मेसी काउंसिल से मिली जानकारी के अनुसार सरकारी कॉलेजों के करीब 4 हजार छात्रों का पंजीयन पूरा हो चुका है, जबकि निजी संस्थानों के छात्र परेशानी में फंसे हैं. काउंसिल के अधिकारियों के अनुसार कई छात्रों ने आवेदन में अधूरी या गलत जानकारी अंकित की है. वहीं दूसरी तरफ अधिकांश निजी विश्वविद्यालयों ने छात्रों की लिस्ट काउंसिल को भेजने में लापरवाही बरती है, जिसके कारण छात्रों का डेटा सही से उपलब्ध नहीं हो पा रहा है और समय लग रहा है. इस पूरे मामले को लेकर फार्मेसी काउंसिल ने चेतावनी दी है कि अगर निजी यूनिवर्सिटी जल्द ही छात्रों की लिस्ट नहीं भेजती तो दीपावली के बाद उनके रजिस्ट्रेशन रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी. साथ ही इन संस्थानों के खिलाफ यूजीसी में शिकायत भी की जाएगी.

फैक्ट फाइल

ऑनलाइन प्रक्रिया	1 माह पहले से शुरू
कुल आवेदन अटके	3,000
सरकारी कॉलेजों के पंजीयन पूरे	4,000
निजी यूनिवर्सिटी कुल	38
डेटा भेजने वाली यूनिवर्सिटी	08

इस पूरे मामले को लेकर फार्मेसी काउंसिल ने चेतावनी दी है कि अगर निजी यूनिवर्सिटी जल्द ही छात्रों की लिस्ट नहीं भेजती तो दीपावली के बाद उनके रजिस्ट्रेशन रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी. साथ ही इन संस्थानों के खिलाफ यूजीसी में शिकायत भी की जाएगी.
संजय जैन, अध्यक्ष, मप्र फार्मेसी काउंसिल

पासपोर्ट कार्यालय ने मनाई 47वीं वर्षगांठ

भोपाल. क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, भोपाल ने आज अपनी 47वीं वर्षगांठ मनाई. 17 अक्टूबर 1978 को इस कार्यालय की स्थापना तत्कालीन विदेश मंत्री और भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी. तब से यह मध्यप्रदेश के नागरिकों को पासपोर्ट संबंधी सेवाएं लगातार प्रदान कर रहा है. देशभर के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों में भोपाल का कार्यालय सबसे बड़े भौगोलिक क्षेत्राधिकार को कवर करता है. इसके अंतर्गत वर्तमान में 2 पासपोर्ट सेवा केंद्र, 24 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र और 1 पीएसपी वैन संचालित हैं.

निजी स्कूलों को कारण बताओ नोटिस

स्कूलों ने फीस वृद्धि की नहीं दी जानकारी

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 17 अक्टूबर. लोक शिक्षण संचनालय द्वारा जिले के 883 निजी स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. यह नोटिस फीस वृद्धि की जानकारी को लेकर जारी किया है.

बता दें कि जिले में कुल 1 हजार 717 स्कूल हैं, जिनमें से केवल 834 स्कूलों ने ही फीस वृद्धि की जानकारी संचालक लोक शिक्षण के पोर्टल पर उपलब्ध कराई है. इनमें 463 ऐसे स्कूल शामिल हैं, जिनकी फीस 25 हजार से अधिक हैं. वहीं 371 स्कूल ऐसे हैं, जिनकी फीस 25 हजार से कम हैं. शहर में लंबे समय से निजी स्कूलों की बढ़ती फीस की निगरानी और नियंत्रण के लिए यह नियम लाया गया था, जिसके तहत सभी निजी स्कूलों की फीस संबंधित जानकारी डीईओ तक पहुंच सके. बता दें पिछले लंबे समय से पैरेंट्स द्वारा आरोप लगाए हैं और फीस वृद्धि से संबंधित पारदर्शिता नहीं बरत रहे हैं कि स्कूल मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं. इसी कारण से कई स्कूल अपनी फीस संरचना की जानकारी देने से कतरा रहे हैं. इस गंभीर स्थिति को देखते हुए ही जिला शिक्षा अधिकारी ने कड़े निर्देश दिए हैं. जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से कुल 883 निजी स्कूलों को नोटिस जारी किए हैं. नियमों का पालन नहीं कराते हैं, तो उन पर जुर्माना लग सकता है.

इनका कहना है...

अगर ये स्कूल समय रहते अपनी फीस वृद्धि की जानकारी साझा नहीं करते है तो अधिनियम 2017 और 2020 के तहत मान्यता रद्दे करने के लिए कार्रवाई की जाएगी.
- एन के अहिरवार, जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल

बिजली निजीकरण पर केंद्र की धमकी, कांग्रेस ने बोला हमला

विशेष संवाददाता

भोपाल,17 अक्टूबर . मध्य प्रदेश कांग्रेस ने उन रिपोर्टों की कड़ी निंदा की है, जिनमें कहा गया है कि केंद्र सरकार बिजली वितरण के निजीकरण से इनकार करने वाले राज्यों की ग्रांट रोकने की धमकी दे रही है.

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. विक्रम चौधरी ने इसे जनता की संपत्ति को कॉरपोरेट घरानों के हवाले करने की खुली साजिश बताया। उन्होंने कहा कि यह नीति पूंजीपतियों के हित में और आम नागरिकों के खिलाफ़ है. डॉ. चौधरी ने कहा कि केंद्र का यह रवैया संविधान की संघीय व्यवस्था पर सीधा प्रहार है। वित्तीय दबाव डालकर राज्यों पर निजीकरण थोपना न केवल अलोकतांत्रिक है बल्कि आम जनता के साथ विश्वासघात भी है। उन्होंने चेतावनी दी कि बिजली क्षेत्र, जो जनता के टैक्स के पैसों से विकसित हुआ है, को निजी कंपनियों को सौंपना जनसेवा की भावना पर कुठाराघात है. इससे बिजली दरों में वृद्धि, ग्रामीण क्षेत्रों की उपेक्षा और गरीब उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा. उन्होंने कहा, 51 या 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के नाम पर सार्वजनिक संपत्तियों को बेचना सीधी लूट है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि बिजली निजीकरण से किसानों को मिलने वाली रियायती दरें खत्म हो जाएंगी.

संचार नेटवर्क मजबूत करेगी कांग्रेस

कांग्रेस ने नियुक्त किए जिला मीडिया प्रभारी

- 44 जिला मीडिया प्रभारियों की नियुक्ति
- एमपीसीसी के महासचिव ने किया पत्र जारी

विशेष संवाददाता

भोपाल,17 अक्टूबर. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) ने राज्यभर में अपनी मीडिया और संचार प्रणाली को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 44 जिला मीडिया प्रभारियों की नियुक्ति की है.

एमपीसीसी के महासचिव एवं संचार विभाग प्रमुख अभय तिवारी द्वारा जारी पत्र के अनुसार,

ये नियुक्तियां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश और मीडिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. मुकेश नायक की स्वीकृति से की गई हैं. नवनियुक्त जिला मीडिया प्रभारी अपने-अपने जिलों में पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार करेंगे.

साथ ही वे जिला स्तर पर मीडिया से संबंधित सभी गतिविधियों का समन्वय, संचालन और पर्यवेक्षण भी करेंगे. पार्टी ने कहा है कि इन नियुक्तियों से संगठनात्मक संचार व्यवस्था को मज़बूती मिलेगी और प्रदेश में मीडिया प्रबंधन और सुदृढ़ होगा. कांग्रेस कमेटी ने भरोसा जताया है कि सभी नियुक्त प्रभारी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ पार्टी के विचारों और मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे.

छठ पूजन की तैयारियां जोरों पर

भोपाल. 54 छठ पूजन घाटों पर छठ महापर्व मनेगा. इसकी शुरुआत 25 अक्टूबर से होगी, जबकि समापन 28 अक्टूबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा. बड़ा तालाब, शाहपुरा लेक, प्रेमपुरा समेत प्रमुख बड़े घाटों पर पूजन घाट होंगे. छठ पूजा की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को महापौर मालती राय ने बैठक की. छठ पूजा से पहले घाटों तक पहुंचने वाली सड़कों को रिपेयर किया जाएगा. वहीं, चेंजिंग रूम भी बनेंगे. साथ ही गोताखोर तैनात किए जाएंगे. बैठक में महापौर राय ने निगम अधिकारियों के साथ भोजपुरी समाजजनों के साथ बैठक की. बैठक में महापौर राय ने सभी पूजन घाटों पर की जा रही तैयारियों के बारे में जाना.

सीएम किसानों के साथ मनाएंगे धनतेरस

- मुख्यमंत्री निवास में होगा किसान सम्मेलन

भोपाल, 17 अक्टूबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को सुबह से देर शाम तक किसान भाइयों के बीच रहेंगे और उनके साथ धनतेरस मनाएंगे.

मुख्यमंत्री शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित किसान सम्मेलन में किसान भाइयों से सीधा संवाद भी करेंगे. इसके बाद राजगढ़ जिले के ब्यावरा और सीहोर जिले के बिलकिसगंज झागरिया में आयोजित किसान सम्मेलनों में शामिल होकर किसानों को राहत राशि का वितरण करेंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्यावरा में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को 277 करोड़ रूपये की राहत राशि का अंतरण करेंगे एवं 33 करोड़ रूपये की लागत की ब्यावरा नगर जल प्रदाय योजना का भूमिपूजन करेंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव यहां 193 करोड़ रूपये की लागत के 41 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी करेंगे. बाद में मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीहोर जिले के बिलकिसगंज झागरिया में आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल होंगे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार की सुबह मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित किसान सम्मेलन में किसानों के बीच उनसे उनके हित की बात करेंगे. किसानों से संवाद में मुख्यमंत्री राज्य सरकार द्वारा कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों के विकास की दिशा में उठाए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी कदमों और नवाचारों पर भी प्रकाश डालेंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसानों के साथ धनतेरस और दीपावली पर्व की शुरुआत करेंगे. किसान भाई सोयाबीन की फसल को भावांतर योजना के दायरे में लाने की युगांतकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ यादव का आभार भी व्यक्त करेंगे.

कार तीन बार पलटी और दूसरी कार से जा भिड़ी

वीडियो आया सामने, 11वीं के छात्र की मौत, 5 घायल

भोपाल, 17 अक्टूबर. राजधानी भोपाल के गेहूंखेड़ा कोलार क्षेत्र में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर तीन बार पलटी खाई और रोड के दूसरी तरफ से जा रही दूसरी कार से टकरा गई. हादसे में कार सवार 11वीं के छात्र की मौत हो गई. जबकि उसके 5 अन्य दोस्त घायल हैं. इनमें एक की हालत नाजुक बताई जा रही है. वहीं, दूसरी कार में सवार बुजुर्ग भी घायल है.

हादसा गेहूंखेड़ा कोलार में शुक्रवार सुबह 7:30 बजे हुआ. घायलों को इलाज के लिए बंसल अस्पताल में भर्ती कराया है. कोलार पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है. मृतक और घायलों की पहचान के बाद परिजनों को सुबह 10 बजे पुलिस ने सूचना दी गई. बताया जाता है कि लौटते समय डीमार्ट के करीब कार हादसे का शिकार हो गई. घटना के समय कार रफ्तार में थी. यह साफ नहीं हुआ कि हादसा कैसे हुआ, कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कुत्ता सामने आने के बाद उसे बचाने के प्रयास में हादसा हुआ है.

नाश्ता करने निकले थे 6 दोस्त

पुलिस के अनुसार मृतक आदित्यवीर चौधरी उर्फ आदि (16) दानिश कुंज कोलार का रहने वाला था. आदि एक प्राइवेट स्कूल से 11वीं कक्षा की पढ़ाई कर रहा था. इसी के साथ प्रतिदिन सुबह 4 बजे से 6 बजे तक बैडमिंटन खेलने जाया करता था. बैडमिंटन खेलने के बाद शुक्रवार की सुबह आदि दोस्त निर्माण जाट, अबदुल्ला, श्रीयांश, युवराज और विश्वरोद कार क्रमांक एमपी 04 सीवी 8070 होंडा सिटी में सवार होकर चाय नाश्ता करने गए.

बिजलीकर्मियों का आंदोलन हुआ स्थगित

- दीपावली पर अवकाश को लेकर फैसला आज

भोपाल, 17 अक्टूबर. म.प्र. के 45 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मियों ने 18 व 19 अक्टूबर को प्रस्तावित कामबंद आन्दोलन फिलहाल स्थगित कर दिया गया है.

धनतेरस व चौदस के दिन अब आउटसोर्स बिजली कर्मचारी अपनी ड्यूटी करेंगे, लेकिन दीपावली पर्व 20 अक्टूबर के दिन अवकाश लेने या नहीं लेने के मामले में फैसला शनिवार को राज्य शासन एवं मंत्रीगणों से वार्ता होने के बाद लिया जाएगा. यह जानकारी मप्र बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव, महामंत्री दिनेश सिसोदिया एवं जनता यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेन्द्र भदौरिया ने प्रेस विज्ञप्ति में दी.

प्रांतीय संयोजक भार्गव ने बताया कि म.प्र. के 45 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मियों को लीव इनकेशमेंट देने सहित 34 सूत्रीय मांगों को लेकर शुक्रवार को वल्लभ भवन मंत्रालय, भोपाल में उर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई एवं उर्जा सचिव विशेष गढ़पाले के साथ 2 घण्टे चली बैठक में सभी 34 मांगों पर ठोस चर्चा हुई एवं अधिकांश मांगों पर सहमति बनी.

इस तरह बिजली कम्पनियों व उर्जा विभाग मंत्रालय के उच्चाधिकारियों से माँगों को लेकर 4 दिनों तक चार चरण में कुल 14 घण्टे लम्बी मैराथन बैठक भोपाल, इंदौर एवं जबलपुर में चली, जो सकारात्मक व कारगर रही. इसके बाद आंदोलन टालने का फैसला हुआ. उन्होंने बताया शनिवार को राज्य शासन एवं मंत्रीगणों से उच्चस्तरीय वार्ता के बाद यह निर्णय होगा कि दीपावली पर्व पर बिजली आउटसोर्स कर्मचारी अवकाश लेंगे या नहीं?

कृषि के क्षेत्र में मध्यप्रदेश स्थापित कर रहा है नए कीर्तिमान

- खाद्यान्न में द्वितीय व तिलहन में तीसरे स्थान पर मध्यप्रदेश

भोपाल, 17 अक्टूबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में कृषि विकास और किसान कल्याण में मप्र सरकार प्राण-प्रण से जुटी हुई है।

मध्य प्रदेश उत्पादक गतिविधियों में नवाचार कर रहा है. सरकार किसानों के हर सुख-दुख में उनके साथ खड़ी है. प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं. उत्पादन में रिकार्ड दर्ज कर प्रदेश को अनेक अवार्ड हासिल हुए हैं. म.प्र. दालों के उत्पादन में प्रथम स्थान पर, खाद्यान्न उत्पादन में द्वितीय स्थान पर और तिलहन उत्पादन में तृतीय स्थान पर है. प्रदेश में त्रि-फसली क्षेत्र में भी तेजी से वृद्धि हो रही है. प्रदेश में नरवाई जलाने की घटनाओं में कमी (हतोत्साहित) करने के लिए प्रदेश में प्रभावी कार्यवाही की गई है. राज्य सरकार द्वारा रबी 2024-25 में उपार्जित गेहूं पर राशि रुपये 175 प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि प्रदाय की गई. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा फरवरी 2025 में लगभग 83.50 लाख से अधिक किसानों को करीब 1770 करोड़ रूपये किसान सम्मान निधि सिंगल क्लिक से अंतरित की गई.

25 नवंबर को 'जय श्री राम - रामायण' का मंचन

भोपाल. बॉलीवुड के वरिष्ठ अभिनेता और निर्देशक पुनीत इस्सर भव्य लाइव थिएटर शो 'जय श्री राम - रामायण' का मंचन करने जा रहे हैं। यह शो 25 नवंबर को लाल परेड ग्राउंड में आयोजित होगा। इस आयोजन के माध्यम से भगवान श्रीराम के चरित्र, उनके आदर्शों और भारतीय संस्कृति के सार को दर्शाने का प्रयास किया गया है। पुनीत इस्सर, जिन्होंने लोकप्रिय टीवी सीरियल 'महाभारत' में दुर्योधन की भूमिका निभाकर पहचान बनाई थी, ने इस बार रामायण को एक नए और भव्य रूप में प्रस्तुत किया है। वे इस शो के लेखक और निर्देशक दोनों हैं।

मॉडल स्कूल को एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग में मिला पहला स्थान

- मध्यप्रदेश का पहला सरकारी स्कूल

भोपाल, 17 अक्टूबर. राजधानी स्थित मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल, टीटी नगर ने एक बार फिर शैक्षणिक क्षेत्र में बड़ा मुकाम हासिल किया है.

देशभर के सरकारी स्कूलों की रैंकिंग में इस विद्यालय ने एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग 2025-26 में प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे राज्य को गौरवान्वित किया है. इस सम्मान के साथ मॉडल स्कूल ने लगातार तीसरी बार टॉप रैंक हासिल करते हुए हैट्रिक पूरी की है. यह उपलब्धि हासिल करने वाला मध्यप्रदेश का पहला सरकारी विद्यालय बन गया है. एजुकेशन वर्ल्ड, जो कि देशभर के स्कूलों की गुणवत्ता पर आधारित रैंकिंग जारी करता है, उसने स्कूलों को परीक्षा परिणाम, सांस्कृतिक गतिविधियां, खेल, इन्फ्राकरस्ट्रक्चर, मेंटल वैलबीइंग, शिक्षकों की गुणवत्ता व उपलब्धता, और तकनीकी नवाचार जैसे कई मानकों पर परखा.

इसलिए मिली सफलता

- स्टूडियो क्लासेस: जहां से अन्य स्कूल वर्चुअली जुड़ते हैं और उच्च गुणवत्ता वाले लेक्चर का लाभ उठाते हैं.
- साइकोलॉजी लैब: जहां बच्चों की मानसिक स्थिति का मूल्यांकन कर यह सुनिश्चित किया जाता है कि वे पढ़ाई के दबाव में मानसिक तनाव का शिकार न हों.
- यह भी बनी वजह: मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रशिक्षित शिक्षक, और विविध एक्स्ट्रा करिकुलर गतिविधियां भी इस रैंकिंग में निर्णायक रही.
नवाचार की राह पर आगे बढ़ता मॉडल स्कूल : प्राचार्य शर्मा ने बताया कि आने वाले समय में स्कूल में और भी कई शैक्षणिक नवाचार होंगे. बच्चों की समग्र भलाई और व्यक्तित्व विकास को ध्यान में रखते हुए, शिक्षा के हर पहलू में सुधार और नवीनता की दिशा में काम किया जाएगा.

सम्मान समारोह में मिली राष्ट्रीय पहचान

नई दिल्ली में आयोजित हुए पुरस्कार समारोह में भारत सरकार के वित्तीय सलाहकार विनय प्रताप सिंह ने मॉडल स्कूल की प्राचार्य रेखा शर्मा को यह पुरस्कार भेंट किया. यह अवसर केवल स्कूल के लिए नहीं, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के सरकारी शिक्षा तंत्र के लिए गौरव का क्षण बना. प्राचार्य रेखा शर्मा ने इस उपलब्धि को विद्यालय के समस्त स्टाफ, विद्यार्थियों, अभिभावकों और माध्यमिक शिक्षा मंडल के अधिकारियों को समर्पित किया. उन्होंने कहा कि यह सम्मान सिर्फ मॉडल स्कूल का नहीं, पूरे प्रदेश के सरकारी स्कूलों का है. यह दिखाता है कि संसाधनों की सीमाएं भी उत्कृष्टता की राह में बाधा नहीं बन सकतीं.

जायजा इससे पहले सीएमआरएस की टीम ने डिपो, ट्रैक और सॉफ्टवेयर देखा

राजधानी में दिवाली बाद होगा मेट्रो का फाइनल निरीक्षण

भोपाल, 17 अक्टूबर. भोपाल में पहला मेट्रो रूट एम्स से करोंद तक 16.05 किलोमीटर लंबा है। इसमें से एम्स से सुभाष नगर के बीच 6.22 किलोमीटर पर प्राथमिकता कॉरिडोर के तौर पर 2018 में काम शुरू किया गया था. सुभाष नगर से आरकेएमपी स्टेशन तक काम पूरा हो चुका है.

इसके आगे अलकापुरी, एम्स और डीआरएम मेट्रो स्टेशन के कुछ काम बाकी है, जो पूरे किए जा रहे हैं. रेल ट्रैक के ऊपर दो स्टील ब्रिज भी बनाए गए हैं. अब जल्द रही मेट्रो शुरू करने की तैयारी की जा रही है. इसके लिए

दीपावली के बाद फाइनल निरीक्षण होना है, लेकिन इससे पहले कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) की एक और टीम भोपाल पहुंची. टीम ने दो दिन तक डिपो, ट्रैक, सॉफ्टवेयर समेत कई पैमाने पर निरीक्षण किया.

तकनीकी जांच भी की

मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) की तीन सदस्यीय टीम ने मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर की मुख्य लाइन, ट्रैक एवं सभी स्टेशन का निरीक्षण किया. यह भोपाल मेट्रो का दूसरा निरीक्षण था. इससे पूर्व कमिश्नर डिपो एवं रोलिंग स्टॉक का निरीक्षण कर चुके हैं. इस बार निरीक्षण का फोकस मुख्य लाइन, स्टेशनों, ट्रैक, विद्युत एवं यांत्रिक (ईएंडएम) सिस्टम, एवं अन्य परिचालन संबंधी व्यवस्थाओं पर रहा. टीम ने एम्स से सुभाष नगर तक सभी स्टेशनों पर सुरक्षा और तकनीकी मानकों की जांच भी की.

सितंबर में भी लिया था जायजा

सितंबर में आई पहली टीम ने ट्रेन और डिपो देखा था. मेट्रो ट्रेन के कोच में क्या-क्या सुविधाएं हैं? यात्रियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संसाधन है या नहीं? सीसीटीवी कैमरे, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, वातानुकूलित कोच, चार्जिंग प्वॉइंट और वास्तविक समय यात्री सूचना प्रणाली आदि भी देखा. वहीं, डिपो में ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) कैसा है. बिजली की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं? अनुरक्षण-बे, स्टेबलिंग लाइन, रिपेयर-बे आदि के साथ फायर सेफ्टी के क्या इंतजाम है? इसके बारे में भी जाना. भोपाल मेट्रो के लिए सबसे पहले रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) की टीम आ चुकी है. इस टीम की रिपोर्ट ओके आई. इसके निरीक्षण के बाद सीएमआरएस को डॉक्युमेंट्स सबमिट किए गए. फिर निरीक्षण की तारीख फाइनल हुई. बता दें कि सितंबर में मेट्रो कमिश्नर गर्ग ने टीम के साथ सुभाष नगर स्थित मेट्रो डिपो और प्रायोरिटी कॉरिडोर के 6.22 किलोमीटर रूट को देखा था.